समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Monday, 21 September 2026

अब आपके घर के AC का तापमान भी तय करेगा सरकार! मोदी सरकार लाने जा रही नया नियम

Publisher Published on 11 Jun 2025

सरकार लाएगी नया एसी तापमान नियम, 20°C से 28°C के बीच ही तय रहेगा टेम्परेचर ; ऊर्जा की बचत और पर्यावरण को मिलेगा लाभ।

अब आपके घर में चलने वाला **एयर कंडीशनर (AC)** कितने डिग्री पर सेट होगा, यह भी केंद्र सरकार तय करेगी। **गृहनिर्माण एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल खट्टर** ने घोषणा की है कि जल्द ही सरकार **एसी तापमान नियंत्रण** से जुड़ा नया नियम लागू करने जा रही है।

इस नियम के तहत सभी **एसी का तापमान 20°C से 28°C** के बीच सीमित किया जाएगा। इसका सीधा मतलब यह है कि कोई भी व्यक्ति अब **20 डिग्री से नीचे या 28 डिग्री** से ऊपर का तापमान सेट नहीं कर सकेगा। यह कदम न सिर्फ **ऊर्जा संरक्षण** के लिए अहम है, बल्कि इससे पर्यावरण को भी लाभ होगा।

क्यों लाया जा रहा है ये नियम ?

मंत्री **मनोहर लाल खट्टर** के मुताबिक, इस नियम से **बिजली की बचत, ग्रीनहाउस गैसों मे कंमी**, और **लंबे समय मे देश को आर्थिक फायदा** होगा। इसके अलावा, इससे एसी कंपनियों पर भी लगाम लगेगी, जो अब अपने उत्पादों में मनमाने तापमान सेटिंग्स नहीं दे सकेंगी।

एसी के उपयोग मे होंगा बड़ा बदलाव

सरकार का कहना है कि सभी नागरिकों को एक मानक तापमान सीमा में एसी का उपयोग करना चाहिए। यह नियम न केवल घरों

में ऊर्जा की खपत कम करेगा, बल्कि **सरकारी बिल्डिंग्स और कॉर्पोरेट ऑफिस मे भी बिजली की खपत** घटाएगा।

जापान-अमेरिका मे पंहले से लागू है नियम

भारत में यह नियम लागू होने से पहले ही **जापान** और **इटली** जैसे देशों में इस तरह के नियम लागू किए जा चुके हैं।

जापान मे एंसी का तापमान 26°C पर

इटली मे 23°C पर सेट करना अनिवार्य किया गया है।

भारत में भी यह कदम अब ज़रूरी होता जा रहा है क्योंकि **अप्रैल-मई** जैसे महीनों में एसी को **16 या 18 डिग्री** तक चलाया जाता है, जिससे ऊर्जा की भारी बर्बादी होती है।

ऐसी ही देश और दुनिया की बड़ी खबरों के लिए फॉलो करें: www.samacharwani.com

---

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.